बरेली, सोमवार
25 मई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18+4=22

दैनिक जागरण

PAGE NO: 02 MIDDLE

जब तक पास रही मां, उसमें तब तक यूं कुछ खास नहीं था...

रिद्धिमा में आयोजित कवि सम्मेलन में उपस्थित रचनाकार • सौ. आयोजक

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में रविवार को कवि सम्मेलन 'साहित्य सरिता' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आरंभ बरेली की डा. संजना साइमन ने किया। उन्होंने 'तेरी बुराई का ख्याल भी सिर्फ उन्हें ही आता है, तेरा आगे निकल जाना जिन्हें सताता है', 'जीने की थी चाहत जी न सकी, एक उलझन थी मन में, कभी कह नहीं सकी' सुनाकर श्रोताओं को झकझोर दिया। मुरादाबाद के मनोज वर्मा 'मनु' ने 'भागीरथी सुरनदि सुरसरिता, सुरगिरि, हिमगिरी पर आच्छादित, गोमुख से प्रकटी जग तारिणी' और 'कितने सुख दुख झेले होंगे, हमको यह अहसास नहीं था, जब तक पास रही मां उसमें, तब तक यूं कुछ खास नहीं था' सुनाकर भावनाओं के सागर में डुबोया। पूरनपुर के विकास आर्य 'स्वप्न' ने 'मन की मैं रिक्तता का भरण कर सकूं, द्वेष छल और कपट का मरण कर सकूं', गाजियाबाद की सीमा सागर शर्मा ने 'जो तेरी आंख से देखूं वो सपना गढ़ नहीं पायी, मैं सोढ़ी प्यार के मंदिर की काहे चढ़ नहीं पायी', बदायूं के प्रभाकर सक्सेना ने 'कलयुग तेरे आज हैं देखे कितने गजब नजारे हैं, मां-बाप को अब घर में दो रोटी के लाले हैं'। डा. अनुज कुमार ने 'कल्पना, संवेदना और क्षमता अवलोकन की, भाव, अभिव्यक्ति और भावना निरूपण की' सुनाकर तालियां बटोरीं। ट्रस्ट संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, देविशा मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. शैलेश सक्सेना रहे। (वि.)